circulars are illegal and call for the punishment of those who have been the authors of the same. There is also another danger in this, that if such discrimination is shown against some parties today, the same can be done against other parties also. This discreet enquiry envisaged by the Home Ministry can very well mean witch-hunting and the enquiry can be directed against anybody who happens to incur the displeasure of the powers that be. This is most undemocratic and therefore the Government should lay a White Paper on this in the House before the session ends.

I want to lay it on the Table of the House with your permission.

(ii) DEMONSTRATION BY PRIMARY SCHOOL TEACHERS

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : सभापति महोदय, मैं आप की अनुमति से नियम 377 के अन्तर्गत अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के द्वारा आयोजित एक महाप्रदर्शन की ओर जो प्राथमिक शिक्षा को समवर्ती सूची में लाने के लिए उनका जो विराट प्रदर्शन हुआ है उसके सम्बन्ध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। शायद आप ने अखबारों में देखा और सुना भी होगा कि समूचे देश से लगभग दो लाख प्राथमिक शिक्षक प्रदर्शन में आये हुए हैं। उन्होंने जो अपनी मांगें सरकार के सामने रखी हैं तथा अध्यक्ष, लोक सभा के सामने रखी हैं वह भी मैं आप की अनुमति से सभा-पटल पर रख दूंगा। उन का कहना है कि शिक्षा को समवर्ती सूची में लाया जाये। वस्तुतः 1956 से जब से महासंघ की स्थापना हुई है, शिक्षा को केन्द्रीय सूची में लाने के लिए वह प्रयत्नशील रहा है। बहुत दिनों के बाद तो मुश्किल से शिक्षा को समवर्ती सूची में लाया गया है। उन को इस बात की चिन्ता है कि शायद सरकार समवर्ती सूची से हटाकर शिक्षा को फिर राज्य सूची में लावें। इस बात से शिक्षकों के मन बहुत ही आशंकित और आतंकित हैं क्योंकि राज्य सरकारों के पास पैसा नहीं है। यही कारण है कि आज प्राथमिक शिक्षकों की दशा बड़ी दयनीय है। जब भी कोई मौका लगता है प्राथमिक शिक्षकों के साथ बराबर सौतेले बेटे जैसा व्यवहार होता है। पिछले तीस वर्षों में जब भी कांग्रेस सरकार ने किसी आयोग का गठन किया है तो वह विश्वविद्यालयों अथवा उच्च शिक्षा के सम्बन्ध में था। 1948 में जो आयोग गठित किया गया वह विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में था, 1949 में टैक्निकल एजूकेशन के सम्बन्ध में था, 1952 में मुदालियर कमीशन की व्यवस्था अथवा स्थापना माध्यमिक शिक्षा के सम्बन्ध में थी परन्तु आज तक प्राथमिक शिक्षकों अथवा प्राथमिक शिक्षा के लिए एक भी आयोग की स्थापना नहीं की गई। एक सब से बड़ी बात यह है कि हम यह मानते हैं कि निरक्षरता निवारण करना जरूरी है परन्तु आज तीस वर्षों के बाद भी राष्ट्र के लिए यह बड़े शर्म की बात है कि 70 प्रतिशत लोग निरक्षर हैं। आज स्थिति यह है कि जब समूचे शिक्षा के बजट में 1200 करोड़ रुपया होता है बड़े बड़े विश्वविद्यालयों और कालेजों पर खर्च करने के लिए तो प्राथमिक शिक्षा पर केवल साढ़े तीन सौ करोड़ खर्च हो रहा है। यही कारण है कि संविधान की धारा 45 के अन्दर जब यह कहा गया था कि 14 वर्षों में सब लोगों को साक्षर किया जाये, लेकिन 30 वर्षों के बाद भी संविधान के इस निर्देश का पालन नहीं किया गया है। इसलिए आज समूचे देश से 2 लाख शिक्षक बोट-क्लब पर आये हुए हैं, वहां पर प्रदर्शन और धरना दिए हुए हैं। माननीय सदस्यों और सभापति महोदय को भी आमंत्रण है, कि वे वहां पर जाकर देखें।

सभापति महोदय, शिक्षा को समवर्ती सूची में रखने में क्यों देर हो रही है? कहा जाता है कि प्रतिरक्षा को केन्द्रीय सूची में रख सकते हैं, शिक्षा का महत्व उससे कम नहीं है। एडमण्डबर्क ने कहा है—Education is the best defence of a Nation.

[डा० रामजी सिंह]

आज अगर देश में शिक्षा जागृत हो जा ये तो प्रतिरक्षा से भी इस की शक्ति ज्यादा बढ़ेगी इसलिए अगर इस को केन्द्रीय सूची में नहीं रख सकते हैं तो समवर्ती सूची में रखने की जो उन की मांग है, उस को स्वीकार कीजिये। सभापति महोदय, मैं एक शिक्षक हूं और इसीलिये शिक्षकों के दर्द को अच्छी तरह से समझ सकता हूं। राज्य सरकारों के पास पैसा नहीं है, उन के कोष दिवालिया हैं, यही कारण है कि शिक्षक घरेलू नौकर की तरह से रहता है। मैं समवर्ती सूची में जब शिक्षा को लाने के लिये कहता हूं तो मैं यह कभी नहीं कहता कि शिक्षा की स्वायतत्ता समाप्त हो जाये। जब शिक्षा सता और सम्पत्ति की दासी बनती है तो वह निस्तेज और निर्वीय बनती है। इसलिये जब हम यह कहते हैं कि शिक्षा को समवर्ती सूची में लाना चाहिये तो हम यह भी निवेदन करना चाहते हैं कि सम्पूर्ण देश में शिक्षा की स्वायतत्ता की प्रतिष्ठा हो और प्राइमरी स्टेज तथा सैकण्ड्री स्टेज पर एक नेशनल आटोनामस एजूकेशन बोर्ड की स्थापना हो।

जब कभी भी कटौती का प्रश्न आता है तो शिक्षा में से कटौती की जाती है और आज तीस वर्षों के बाद भी हम यह कहते हैं कि हमारे यहां इतने निरक्षर हैं। हमारे प्रधान मंत्री जी ने वह कहा है कि निरक्षरता निवारण के लिये हम महा-आन्दोलन करेंगे, तो क्या उस के लिये विश्वविद्यालय के शिक्षक जायेंग। आप उन से ऐसी उम्मीद न कीजिये, आप उन के वेतन बढ़ा सकते हैं, 1600 रुपये से बढ़ा कर 1800 रुपये कर सकते हैं, लेकिन आप उन के द्वारा निरक्षरता निवारण अभियान कभी भी सफल होने की आशा नहीं कर सकते हैं। इसके लिये आप को प्राथमिक शिक्षकों का ही सहयोग लेना होगा। इसलिये मेरा निवेदन है कि प्राथमिक शिक्षकों की यह मांग कि शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया जाय, यह उचित मांग है और सारे सदन को इसे स्वीकार करना चाहिये।

(iii) Closure of Gurukal Kangri University

श्री ओम प्रकाश त्यागी (बहराइच): सभापति महोदय, मैं सरकार का ध्यान भारतवर्ष के एक बहुत पुराने सांस्कृतिक शिक्षा केन्द्र की ओर दिलाना चाहता हूं, जिसे भारतवर्ष के विख्यात स्वतन्त्रता सेनानी स्वामी श्रद्धानन्द जी ने स्थापित किया था। मेरा तात्पर्य "गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार" से है, जो एक विश्व-विद्यालय का रूप धारण कर चुका है और केन्द्रीय सरकार उसे सहायता दे रही है। वह गुरुकुल आज बन्द हो गया है, वहां एक भी विद्यार्थी नहीं रहा है, उस पर गुण्डों का अधिकार हो गया है और खेद की बात यह है कि वहां पुलिस भी उन्हीं का समर्थन कर रही है।

सभापति महोदय, मैं आपके द्वारा इस सदन को बतलाना चाहता हूं---आपत्कालीन स्थिति के समय में भी उन्हीं तत्वों ने, जिनके नेता अग्निवश हैं, कांग्रेस सरकार के साथ मिल कर एक मंत्री की सहायता से, मैं उनका नाम नहीं ले सकता, उस गुरुकुल पर अधिकार किया था और यहां तानाशाही चलाई थी। जब अधिकारियों से मिला गया तब गुरुकुल वापस मिला था। अब जनता सरकार के आने के पश्चात् वह गुरुकुल ठीक चल रहा था, सरकार की सहायता भी मिल रहा थी, लेकिन खेद है कि 100--200 गुण्डों को लेकर वे फिर गुरुकुल में आ गए और उन्होंने वहां जाकर अधिकार कर लिया। उस के पश्चात् उन्होंने फार्मेसी पर भी हमला किया। आज वहां क्या स्थिति है---मेरे पास तार आया है---मैं उसे पढ़कर सुनाना चाहता हूं---

"Gurukul Kangri University being rampaged raided by goondas led by V. S. Verma, Baljeet Singh, Om Pal, Rambabu Pachbhaiya. Women being molested, employees beaten, their water electricity disconnected. Life and property of staff in danger. please help."

दूसरा तार यह आया है :

"Gurukul Kangri University and Pharmacy having been raided by